Total No. of Printed Pages—3

3 SEM TDC HINH (CBCS) C 6

2020

(Held in April–May, 2021)

HINDI

(Core)

Paper : C–6

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' किस आचार्य की उक्ति है?

(ख) आचार्य वामन ने काव्य के कौन-से दो प्रयोजन माने हैं?

(ग) आचार्य भरतमुनि ने रस के कितने अंग माने हैं?

(घ) आचार्य दण्डी ने अलंकारों की संख्या कितनी मानी है?

(ङ) ध्वनि को काव्य की आत्मा किस आचार्य ने माना है?

(च) रीति के शास्त्रीय विवेचन का आरम्भ कहाँ से होता है?

(छ) कुंतक के परवर्ती कितने आचार्यों ने वक्रोक्ति पर विचार किया है?

(ज) औचित्य संप्रदाय के प्रवर्तक आचार्य का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×4=16

(क) काव्य-हेतु

(ख) साधारणीकरण

(ग) रीति की अवधारणा

(घ) वक्रोक्ति संप्रदाय

(ङ) अलंकार संप्रदाय

(च) रीति के भेद

3. काव्य-प्रयोजन से क्या अभिप्राय है? विविध काव्य-प्रयोजनों का निरूपण कीजिए। 14

अथवा

काव्य के विभिन्न लक्षणों को दृष्टि में रखते हुए उनके स्वरूप का निर्णय कीजिए।

4. रस-निष्पत्ति पर विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख करते हुए रस-निष्पत्ति की व्याख्या कीजिए। 14

अथवा

हिन्दी के आचार्यों द्वारा किए गए अलंकारों के वर्गीकरण का परिचय दीजिए।

5. ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख आचार्यों की मान्यताओं का विवेचन कीजिए। 14

अथवा

भारतीय काव्यशास्त्रियों के अनुसार रीति की अवधारणा प्रस्तुत कीजिए।

6. वक्रोक्ति सिद्धांत की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

औचित्य के प्रमुख प्रकार का उदाहरण सहित संक्षेप में परिचय दीजिए।

★ ★ ★